

Title: Need to take steps for the maintenance and preservation
of Taj Mahal, a world-heritage site.

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : महोदय, दुनिया का अजूबा ताजमहल, ख्वाब की तामीर, इश्क की इबादत एवं दुनिया में हिन्दुस्तान का आईना है। देश को ताजमहल से करोड़ों डालर प्रतिवर्ष आय होती है, लेकिन पीलेपन की बीमारी का शिकार इस संगमरमरी ताज के पत्थर दरकने लगे हैं।

ताज के मुख्य गुंबद से लेकर मेहमानखाने, जल महल, मस्जिद एवं प्रवेश द्वार के पत्थर चटककर गिर रहे हैं, मुख्य गुंबद की तो सबसे खस्ता हालत है। संगमरमर पत्थर के साथ ही पत्थरीली में लगे रंगीन पत्थर, कोरल एवं ग्रीन जैड भी गिर रहे हैं। यमुना किनारे की ओर सबसे ज्यादा पत्थर निकले हैं। पत्थरों को संभालने के लिए लगाई गयी लोहे की विलपें भी गल चुकी हैं। ताजमहल के पत्थरों के उखड़ने की प्रक्रिया दरअसल कई साल पुरानी है। यदि पुरातत्व विभाग ने पहले ध्यान दिया होता तो ये पत्थर टूटकर नहीं गिरते। 358 साल पुराने ताज पर कई जगह पत्थरों के उखड़ने पर उनकी जगह नहीं भरी गयी है।

यह अत्यधिक गम्भीर मामला है। सरकार को अविलम्ब ताजमहल के संरक्षण पर ध्यान देना चाहिए, जिससे इस विश्व धरोहर को सुरक्षित रखा जा सके।

MR. CHAIRMAN: Shrinati Jayaprada – Not present.

Shri Sugrib Singh – Not present.

Shri Jaysingrao Gaikwad Patil – Not present

Shri Chengara Surendaran – Not present.